यूनिट 10 स्वास्थ्य चिकित्सा और कल्याण पर्यटन

संरचना

10.1 उद्येश्य

10.2 प्रस्तावना

10.3 स्वास्थ्य चिकित्सा और कल्याण पर्यटन की अवधारणा

10.4 चिकित्सा पर्यटन का अभिप्राय

10.4.1 चिकित्सा पर्यटन के प्रकार

10.4.2 चिकित्सा पर्यटन में उपचार के प्रकार

10.4.3 चिकित्सा पर्यटन के लाभ और प्रेरणायें

10.4.4 चिकित्सा पर्यटन की प्रक्रिया

10.4;5 चिकित्सा पर्यटन के 'फेसिलिटेटर' की भूमिका

10.4.6 चिकित्सा पर्यटन:: मसले और चुनौतियां

10.5 चिकित्सा पर्यटन की स्थिति

10.5.1 भारत में चिकित्सा पर्यटन

10.5.2 भारत में चिकित्सा यात्रा के लिए दस्तावेज

10.6 कल्याण पर्यटन

10.6.1 भारत में कल्याण पर्यटन

10.7 भारत में चिकित्सा और कल्याण पर्यटन की नीति

10.8 समापन

10.9 प्रमुख शब्द

10.10 प्रगति की जाँच करने के लिए सूत्र

10.1 उद्येश्य

इस इकाई को पढ़ने के बाद, आप निम्न कार्य कर सकेंगे:

- स्वास्थ्य, चिकित्सा और कल्याण पर्यटन के बीच अंतर
- चिकित्सा पर्यटन की अवधारणा, प्रकार, प्रेरणा और प्रक्रिया
- वैश्विक चिकित्सा पर्यटन परिदृश्य की व्याख्या करना
- भारत में चिकित्सा पर्यटन की समझ
- भारत में स्वास्थ्य और कल्याण पर्यटन की समझ
- पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई नीति की व्याख्या करना

10.2 **परिचय**

समाचार पत्रों को पढ़ने टेलीविजन देखने सोशल मीडिया के माध्यम से या सामान्य बातचीत के दौरान आपको 'स्वास्थ्य पर्यटन', चिकित्सा पर्यटन 'और वेलनेस टूरिज्म' के बारे में जरूर सुना होगा । क्या आपने कभी इनके अर्थो और उनके बीच के अंतर के बारे में सोचा है। इस इकाई का फोकस आपको इन शब्दों के उचित अर्थो से अवगत कराना और यह बताना है कैसे वे एक दूसरे से सम्बन्धित हैं देना है कि वे कैसे संबंधित हैं, उनके लाभ क्या हैं और समूची प्रक्रिया से उनका सम्बन्ध क्या है। इस यूनिट में इस पर्यटन की भारत में वर्तमान सिथति और और पर्यटन मंत्रालय द्वारा जारी नीतियों पर भी प्रकाश डाला जायेगा ।

10.3 स्वास्थ्य, चिकित्सा और कल्याण के अवसरों की अवधारणा

स्वास्थ्य उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा के कई ऐतिहासिक साक्ष्य हैं, जो हजारों साल पुराने हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, स्वास्थ्य शारीरिक मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति है, न कि केवल बीमारी या दुर्बलता की पूर्ण अनुपस्थिति। स्वास्थ्य पर्यटन को हम एक ऐसे पर्यटन के रूप में परिभाषित कर सकते हैं, जिसकी प्राथमिक प्रेरणा चिकित्सा या कल्याण आधारित गतिविधियों के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और / या आध्यात्मिक स्वास्थ्य में योगदान देना होता है । चिकित्सा हस्तक्षेपों की भागीदारी को चिकित्सा पर्यटन कहा जा सकता है। चूंकि इसमें कल्याण गतिविधिया भी शामिल होती हैं,इसलिए इसे कल्याण पर्यटन भी कहा जा सकता है। लेकिन दोनों बातें समान नहीं हैं और'स्वास्थ्य पर्यटन' की व्यापक अवधारणा के भीतर इनमें अंतर किया जाता है। स्वास्थ्य पर्यटन के इन दो रूपों के बीच का अंतर इस तथ्य में है कि चिकित्सा पर्यटन स्वास्थ्य की समस्या से उबरने के लिए चिकित्सा के उद्येश्य से किया जाता है, इसलिए इसमें जांच, निदान और उपचार जैसी चिकित्सा प्रक्रियाओं की आवश्यकता होती है। यही वजह है कि स्वास्थ्य पर्यटन को एक प्रतिकारात्मक पर्यटन माना जाता है। जबकि कल्याण पर्यटन, वैकल्पिक प्रक्रियाओं का उपयोग करके स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए किया जाता है। इसमें विशेषीकृत,चिक्त्सिाकर्मी और अन्य प्रक्रियाओं की आवश्यकता नहीं होती। हाल के वर्षों में स्वास्थ्य, चिकित्सा और कल्याण पर्यटन तेजी से बढ़े हैं और गंतव्य सथलों पर ऐसे पर्यटकों की सुविधा की मांग तेजी से बढ रही है।

10. 4 **चिकित्सा पर्यटन क्या है**

आधुनिक संदर्भ में, चिकित्सा पर्यटन की व्याख्या निम्न प्रकार की जाती है- "जब कोई व्यक्ति चिकित्सा सेवा लेने के लिए अपने सामान्य वातावरण से बाहर यात्रा

करता है, तो इसे" चिकित्सा यात्रा " कहा जाता है, और आगमन पर, ऐसे व्यक्ति को " चिकित्सा पर्यटक "कहा जाता है, और ऐसी गतिविधियाँ, जिनमें आतिथ्य, सांस्कृतिक प्रदर्शन या साइट-दर्शन, के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर चिकित्सा सेवाओं का उपयोग भी शामिल होता है तो उसे "मेडिकल टूरिज्म" कहा जाता है।

"इस प्रकार चिकित्सा पर्यटन यात्रा में अवकाश यात्रा का पहलू भी शामिल रहता है। सामान्य तौर पर, मेडिकल टूरिज्म को चिकित्सा उपचार, जांच या चिकित्सा और गंतव्य के बुनियादी ढांचे, आकर्षण और सुविधाओं का उपयोग करने वाले पर्यटकों को प्राप्त करने के लिए अपने सामान्य निवास स्थान के बाहर एक व्यक्ति द्वारा की गई यात्रा माना जाता है।

मोटे तौर पर, कोई व्यक्ति जब चिकित्सा उपचार, जांच या 'थिरेपी' के लिए अपने देश से बाहर किसी अन्य देश में जाकर वहां के संसाधनों आकर्षण केन्द्रों और सुविधाओं का उपयोग करता है तो इस यात्रा को चिकित्सा पर्यटन और यात्रा करने वाले को चिकित्सा पर्यटक कहा जाता है।

10.4.1 चिकित्सा पर्यटन के प्रकार

चिकित्सा पर्यटन को निम्न प्रकार से विभाजित किया जा सकता है-

अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा पर्यटन-

जब कोई व्यक्ति अपने देश जैसी या उससे भी अधिक अच्छी चिक्त्सिकीय देखभाल की अपेक्षा से,या चिकित्सा व्यय या सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए, सामान्य चिकित्सा,दंत चिकित्सा या शल्य चिकित्सा के लिए बाहरी देश की यात्रा करता है तो इसे अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा पर्यटन कहा जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा पर्यटन को पुन: दो भागों में बांटा जा सका है।

1. 'इनबाउण्ड' चिकित्सा पर्यटन और
2. 'आउट बाउण्ड' चिकित्सा पर्यटन।

1.'इनबाउण्ड' चिकित्सा पर्यटन

जब लोग चिकित्सा देखभाल के लिए अपने मेजबान / मूल देश से बाहर किसी अन्य देश में जाते हैं, तो इसे गंतव्य देश के लिए इनबाउंड चिकित्सा पर्यटन कहा जाता है। उदाहरण के लिए, भारत आने वाले विदेशी मरीजों को भारत के लिए इनबाउंड मेडिकल टूरिस्ट कहा जाता है

2.'आउट बाउण्ड' चिकित्सा पर्यटन

चिकित्सा प्रयोजनों के लिए कोई पर्यटक जब दूसरे देश की यात्रा करता है तो वह पर्यटन आउट बाउण्ंड पर्यटन कहलाता है। जब चिकित्सा पर्यटक किसी विदेशी क्षेत्र में जाता है तो वह अपने देश के लिए आउट बाउण्ड पर्यटकहोता है। उदाहरण के लिए, अन्य देशों में जाने वाले भारतीय रोगियों को भारत में आउटबाउंड चिकित्सा पर्यटक माना जाता है

1. घरेलू चिकितसा पर्यटन

घरेलू चिकित्सा पर्यटन (इंट्रा-बाउंड मेडिकल टूरिज्म के रूप में भी जाना जाता है) का सम्बन्ध लोगों से है जो सामर्थ्य के अनुरूप या देखभाल की बेहतर गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधा पाने के उद्येश्य से अपने देश के किसी अन्य राज्यों, क्षेत्रों या शहरों की यात्रा करते हैं। अपने शहर में अपेक्षा के अनुरूप चिकित्सा सुविधा की कमी के कारण लोगों को बाहरी शहरों में चिकित्सा के लिए जाना पडता है।

<table>
<tr><td colspan="3">चित्र 10.1 चिकित्सा पर्यटन का वर्गीकरण</td></tr>
<tr><td colspan="2">अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा पर्यटन</td><td rowspan="2">घरेलू चिकित्सा पर्यटन</td></tr>
<tr><td>इनबाउण्ड पर्यटन</td><td>आउट बाउण्ड पर्यटन</td></tr>
</table>

10.4.2 चिकित्सा पर्यटन में उपचार के प्रकार

A चिक्त्सिा पर्यटन के द्वारा कई तरह की चिकित्सा सेवायें प्राप्त की जा सकती हैं। कुछ इस प्रकार हैं-

अस्थि चिकित्सा (चोट और हडडी से सम्बन्धित चिकित्सा)

1. अंग पत्यारोपण
2. तंत्रिकाचिकित्सा (तंत्रिका प्रणाली से सम्बन्धित बीमारियां)
3. बैरियाट्रिक सर्जरी (वजन कम करने के लिए पाचन प्रणाली में परिवर्तन
4. कास्मेटिक प्लास्टिक सर्जरी
5. कैंसर चिकित्सा (Oncology)
6. हृदय चिकित्सा (Heart Surgery)
7. स्टेम सेल चिकित्सा (स्टेम सेल्स से क्षतिग्रस्त् टीशूज की मरम्मत)
8. दंत चिकित्सा
9. नेत्र चिकित्सा (Ophthalmology)
10. सामान्य निदान
11. पुनर्वासन (प्रशिक्षण और चिकित्सा के माध्यम से किसी की जिंदगी को पुन: सामान्य अवस्था में लाना)
12. बंध्यापन की चिकित्सा

10.4.3 चिकित्सा पर्यटन के लाभ् और पेरणायें -

चिकित्सा पर्यटकों की बढ़ी हुई अपेक्षाओं को पूरा करने में सक्षम विपणन रणनीति तैयार करने के लिए, उभरते हुए और प्रसिद्ध चिकित्सा-पर्यटन-स्थलों के संचालको को उन कारको के बारे में पता होना चाहिए जिसके कारण वे किसी खास गंतव्य की ओर जाने के लिए प्रेरित होते हैं।

कुछ प्रमुख कारक इस पकार हैं-

1. अपने देश की चिकित्सा सुविधा बहुत मंहगी होने के कारण रोगी दूसरे देशों में चिकित्सा के लिए जाना चाहते हैं। कईबार बाहरी देशों में जाने रहने और चिकित्सा को मिलाकर जितना खर्च होता है, अपने देश में केवल चिकित्सा का खर्च ही उससे ज्यादा प्ड जाता है।

2. चिकित्सा स्थलों में प्रदान की जाने वाली चिकित्सकीय देखभाल की गुणवत्ता के बारे में जानकारी भी पर्यटकों को लुभाने का एक कारण बनती है। दुनिया भर के देशों की चिकित्सा सेवा सुविधा का तुलनात्मक स्तर-आकलन करने के बाद अंतर्राष्ट्रीय स् स्वास्थ्य सेवा मान्यता की सूची तैयार की जाती है। चिकित्सा पर्यटक अकसर इस सूची की सहायता से अपने चिकित्सा स्थल का चुनाव करते हैं। स्वास्थ्य सेवा का स्तर-मापन करने वाली कई एक सस्थायें हैं जो अपने सर्वेक्षण के आधार पर सूची बनाती हैं। उदाहरण के लिए, यूएस की संस्था ''ज्वाइंट कमीशन इंटनेशनल '' की मान्यता को सबसे स्तरीय माना जाता है। इस संस्था की मान्यता सूची बनाने में दुनिया भर की छ सौ चिकित्सा सुविधाआं को शामिल किया जाता है। मान्यता देने की प्रक्रिया में उच्च गुणवत्ता युकत् चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करता है और पर्यटकों को उच्चस्रीय सुविधा का विश्वास दिलाता है।

3. बहुत सारे विकसित देशों में चिकित्सा उपचार पाने के लिए बहुत लम्बा इंतजार करना पडता है। तत्काल चिकित्सा की जरूरत वाले गंभीर मरीजों के लिए इंतजार करना जानलेवा हो सकता है। चिकित्सा पर्यटन ऐसे मरीजों को बिना किसी अतिरिक्त खर्च के, कम से कम प्रतीक्षावधि मे नजदीकी गंतव्य पर चिकित्सा प्रबंध कराते हैं। प्रतीक्षावधि और चिकित्सा ख्र्च में छूट के अलावा पर्यटन स्थलों पर मिलने वाली सेवाओं से भी मरीज प्रभावित होते हैं। अस्पताल में अन्य सेवावों के अलावा पैरामेडिकल स्टाफ की संख्या से भी मरीजो पर अनुकूल प्रभाव पडता है। जिस देश में बिलिंग की प्रक्रिया आसान होती है और डाक्टर मरीजों की देखलभाल के लिए अधिक समय देते हैं,मरीज वहां जाना ज्यादा पसंद करते हैं।

4. चिकित्सा पर्यटन के दौरान मरीजों और उसके परिजनों को एक नये कल्चर से परिचित होने का अवसर मिलता है। हेल्थ पैकेज में धरोहरों प्राकृतिक

दृश्यों का दर्शन् करने का अवसर देकर भी मरीजों को चिकित्सा पर्यटन के लिए प्रेरित किया जा सकता है। कुछ अस्पतालों ने मरीजों के ठहरने के लिए शानदार आवास उपलब्ध कराना भी शुरू कर दिय है। इलाज के बाद, प्रसन्न महसूस करने के लिए मरीज चाहें तो पर्यटन की सुवधा का भी उपयोग कर सकते हैं। मेडिकल टूरिज्म का एक लाभ यह हे कि स्थान पविर्तन के साथ उत्साहवर्द्धक पर्यटन भी जुउ जाने से मरीजों के स्वास्थ्य मे तेजी से सुधार होता है। यही नहीं , समय पर ,सस्ता और सटीक चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराकर स्वास्थ्य पर्र्यटन मेजबान देश,प्रदेश या परिक्षेत्र की अर्थव्यवस्था के विकास में सहयोग करता है। स्वास्थ्य पर्यटन से स्वास्थ्य संबधी देख्भाल के ढेर सारे रोजगार के अवसर पैदा होते हैं; नयी नयी तकनीक के विकास से दुनिया में सवास्थ्य सेवाओं के स्त्र में सुधार होता है और राज्स्व में बृद्धि के साथ साथ बुनियादी व्यवस्थाओं में सुधार और दूसरे देशों की सहमति से स्वास्थ्य नीतियो में बदलाव लाकर सामाकजक राजनीतिक लाभ के अवसर पैदा किये जा सकते हैं।

10.4.4 स्वस्थ्य पर्यटन की प्रक्रियाये

आइए जानें कि स्वास्थ्य पर्यटन कैसे काम करता है।

1. बहुत सारी वजहों से मरीज अपनी बीमारी की वास्तविक स्थिति और चिकित्सा की जरूरत का अनुमान नहीं लगा पाता,इसलिए उसे किसी की सहायता की जरूरत पडती है। एक मरीज को चिकित्सा सम्बनधी सहायता की जरूरत होती है
2. मरीज या उसके सम्बन्धी नेट पर सर्च करके या लोगों से पूछ कर उचित डाक्टर और अस्पताल की जानकारी पाने की कोशिश करते हैं।
3. बहुत सी बातो,जैसे ख्र्च डाक्टर की योग्यता,उस जगह की भाषा भूगोल जलवायु,अस्पताल के सतर और प्रसिद्धि आदि केा ध्यान में रख कर मरीज या उसके परिजन किसी शहर या देश में चिकित्सा के लिए जाने का निर्णय लेते हैं।

4. चिकित्सा पर्यटन का बंदोबस्त करने वाले के जरिये गंतव्य स्थल के किसी एक्सपर्ट डाक्टर से समपर्क किया जाता है।
5. चिकित्सा पर्यटन के सहायक के माध्यम से डाक्टर मरीज के पिछले कागजात की जांच करता है। बीमारी के इलाज और अनुमानित खर्च की जानकारी मरीज को दे दी जाती है।
6. मरीज के परिजन जब निर्णय ले लेते हैं,उसके बाद डाक्टर से एप्वाइंटमेंट की बुकिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है। भुगतान कर के यात्रा और ठहरने के कमरे की बुकिंग कर दी जाती है। और मरीज अपने गंतव्य देश या शहर पहुंच जाता है।
7. मरीज का इलाज शुरू हो जाता है और उसे समय समय पर सलाह लेते रहने को कह दिया जाता है।

चिकित्सा पर्यटन की इस पूरी प्रक्रिया में मददगार(Facilitator) की भूमिका बहुत बहत्वपूर्ण होती है क्योंकि ये डाक्टर और मरीज के बीच मध्यस्थ का काम करते हैं और डाक्टर और अस्पताल तथा मरीज दोनों से निकट सम्पर्क बनाये रखते है। अगले सेक्सन में हम मेडिकल फेसिलिटेटर या मददगार की भूमिका पर विचार करेंगे।

10.4.5 चिमित्सा पर्यटन के मददगार या फेसिलिटेटर की भूमिका

चिकित्सा पर्यटन फेसिलिटेटर या मददगार संभावी चिकित्सा पर्यटक और सर्जन या हास्पीटल और दूसरे संबंधित संगठनों के बीच अनिवार्य कडी की तरह काम करता है। फेसिलिटेटर व्याक्ति या संस्था कोई भी हो सकता है। बहुस से अस्पताल-चेन आज कल खुद अपने संगठन के लोगों के माध्यम से इस तरह की सेवायें देते हैं। निम्न विन्दुओं में मेडिकल फेसिलिटेटर की भूमिका को मोटे तौर पर व्यक्त कर दिया गया है।

मरीज सबसे पहले चिकित्सा सुविधाओं के बारे में पूछता है। मरीज से पूरी जानकारी ले लेने के बाद फेसिलीटेटर उसके सवालों के जवाब देता है और मरीज को अपने इलाज की तैयारी करने में सहयोग देना शुरू कर देता है। मरीज की

खास खास जरूरतों को जान लेने के बाद फेसिलीटेटर उपचार के कई विकल्पों पर काम करना शुरू कर देता है। फेसिलिटेटर सबसे पहले मरीज को अस्पतालों और डाक्टरों तथा अन्य जरूरी जानकारियों की एक सूची उपलब्ध कराता है।

विशेषज् चिकित्सक द्वारा, एक्स रे, एमआरआई और प्रश्नावली के माध्यम से मरीज की Medical history की जानकारी की जाती है। उसके बाद डाक्टरों की टीप द्वारा उपचार शुरू कर दिया जाता है। उपचार की प्रक्रिया का कोटेशन और ठहरने की व्यवस्था का खर्च विवरण मरीज के परिजनो को दे दिया जाता है। मेडिकल फेसिलिटेटर ऐसे समय मरीज के परिजन से चिकित्सा इंश्योरेंस,ट्रवेल इंश्योरेंस और अन्य वितीय मुददों की जानकारी करता है। इसके बाद, परिजन के अनुरोध पर यात्रा का कार्यक्रम तैयार करता है।

चिकित्सा फेसिलिटेटर डाक्ट मरीज और परिजन के बीच एक मीटिंग की व्यवस्था करता है। फेसिलिटेटर सभी तरह के आरक्षणों को सुनिश्चित करने के बाद यात्रा का सम्पूर्ण कार्यक्रम मरीज और उसके परिजनों के पास देखने और यात्रा सम्बन्धी सम्पूर्ण जानकारी कर लेने के लिए सौंप देता है।

- गंतव्य कार्यक्रम प्रबंधक,जो कि चिकित्सा पर्यटन का जानकार होता है, की मरीज से मुलाकात करा दी जाती है। वह पूरे उपचार अवधि में मरीज से सम्पर्क बनाये रखता है।
- सर्जरी के पहले मेडिकल टीम पहले मरीज की जांक करती है उसके बाद सर्जरी की प्रक्रिया आरम्भ कर दी जाती है।
- आपरेश हो जाने के बाद, मरीज की दशा के बारे में डाक्टर से आश्वस्त होकर मरीज को हास्पीटल से मुक्त कर दिया जाता है और वह होटल में आ जाता है।
- कुछ दिन बाद फिर डाक्टर से सम्पर्क करके मरीज को आस पास के पर्यटन स्थलों के भ्रमण के लिए आजाद कर दिया जाता है।
- और अंत में, आखिारी 'फालो-अप' के बाद,मरीज और उसके परिजनों को,अपने देश जाने के लिए हवाई अडडे पर छोड दिया जाता है।
- **10.4.6** चिकित्सा पर्यटन के मसले और चुनौतियां

सच है कि चिकित्सा पर्यटन तेजी से विकास कर रहा है। लेकिन इसे अनेक चुनौतियों का सामना भी करना पड रहा है। सबसे बडी चुनौती आपरेशन के बाद शुरू होती है। अपने देश वापस चले जाने के बाद अगर कोई पेरशानी सामने आती है तो क्योंकि वहां फालो-अप के लिए डाक्टर उपलब्ध नहीं होता , इसलिए मरीज के लिए समस्या खडी हो जाती है। भाषा की समस्या भी आडे आती है। कईबार चिकित्सा पर्यटक और डाक्टर के बीच भाषा एक बडी रूकावट बन जाती है। उपचार जारी रहने के दौरान इससे परेशानी होती है। दूसरी समस्या गंतव्य स्थल पर तब खडी होती है गंतव्य स्थल की वास्तविक स्थिति मरीज की अपेक्षा के अनुरूप नहीं होती। बाहरी देशों से उपचार के लिए आने वाले चिकित्सा पर्यटक परिवहन सेवा,आवास और भोजन आदि अपेक्षा के अनुरूप उच्चस्तरीय न पाकर अपने को ठगा महसूस करते हैं और फलस्वरूप विश्वास की समस्या पैदा हो जाती है। इससे पर्यटक के मन मं गंतव्य स्थल के बारे में गलत धारणा बन जाती जिससे उस जगह के बारे में पर्यटक अपने गृह नगर में जाकर नकारात्मक प्रचार करने लगता है। चिकित्सा पर्यटन के कर्मचारियों को दो देशों की संसकृतियों की जानकारी तथा मृदुभाषी बनने का प्रशिक्षण देना,और अलग अलग पृष्ठभूमि से आने वाले पर्यटकों को संतुष्ट करना भी एक चैलेंज होता है।कोई एक सर्वमान्य काननू न होने के कारण कानूनी मसले एक अलग तरह की चुनौती पेश करते हैं। अलग अलग दशों के कानून भी अलग अलग होते हैं। चिकित्सा सेवा प्रदान करने में यदि कोई गैर कानूनी काम किया जाता है तो उस दशा में मरीज को न्याय दिलाना एक अलग ही समस्या होती है।

अपनी प्रगति की जांच करें-1

1) चिकित्सा पर्यटन को परिभाषित कीजिए। चिकित्सा पर्यटन के प्रकारों पर विस्तार से लिखें।

.....

.....

2) चिकित्सा पर्यटन की प्रक्रियाओ पर चर्र्चा करे।

.....

.....

3) चिकित्सा पर्यटन के 'फेसिलिटेटर' की भूमिका के बारे में क्या जानते है।

.....

.....

10.5 चिकित्सा पर्यटन की स्थिति

इसमें संदेह नहीं कि चिकित्सा पर्यटन का बाजार पूरे विश्व मे फैल चुका है। चिकित्सा पर्यटन एसोसियेशन का अनुमान है कि दुनिया भर में करीब 14मिलियन लोग चिकित्सा के उददेश्यय से यात्राये करते है । इस यात्रा में करीब 50 से 70 बिलियन डालन का कारोबार होता है। मेडिकल टूरिज्म एसोसियेशन एक स्वैच्छिक संगठन हैे। यह चिकित्सा पर्यटन तथा अंतराष्ट्रीय मरीज उद्योग की ओर से काम करता है।

अभी हाल की चिकित्सा पर्यटन बाजारर अनुससंध्धान की एएक रिपोर्ट के अनुसार, चिकित्सा पर्यटन का वैश्विक बाजार स्थिर गति से निरंतर विकास कर रहा है । रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 संकट के दौरान , चिकित्सा पर्यटन का विश्वबाजार 20220 मे 66.7बिबलियन डालर था । अनुमान है

कि यह 22027 तक 11.6 प्रतिशत की दर से बढकर 1443.6बिलियन हो जायेगा ।

विश्व में चिकित्सा पर्यटन के गंतव्य देश निम्न हैं-

थाईलैण्ड ,सिंगापुर,मलाया, ताइवान, भारत, मैक्सिको , कनाडा, दुबई, दक्षिण कोरिया,जापान, बुलगगारिया ,इजराइल, कोस्टा ,रिका और टर्की।

10.5.1 भारत में चिकित्सा पर्यटन

फेडरेसन आफ चैम्बर आफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री (एफसीसीआई) की ओर से अनुमोदित सन 2016 में प्रकाशित दस्तावेज "Medical Value travel in India: Enhancing value in MVT" के अनुसार, भारत विश्व के शीर्ष 6 MVT देशों में शामिल है। इन छ देशों के नाम इस प्रकार हैं- थाईलैण्ड ,सिंगापुर,मलाया, ताइवान, भारत, मैक्सिको।

भारत में चिकित्सा पर्यटक माइनर और मेजर दोनो तरह की चिकित्सा के लिए आते है और चिकित्सा के उपरांत देश के पर्यटन स्थलों का भ्रमण करते हैं।

विश्वस्तरीय उपचार और शानदार सुविधाओं के कारण दुनिया भर के चिकित्सा पर्यटक भारत आना पसंद करते हैं। भारत की नीति नियामक संस्था 'नीति आयोग (National Institution for Transforming India),चिकित्सा पर्यटन को भारत में विदेशी मुद्रा की कमाई का सबसे बडा स्रोत माना है। भारत, 25प्रतिशत CAGR के साथ ऐसिया में सबसे अधिक तेजी से विकास करने वाला देश है। सन 2018 में भारत का स्वास्थ्य सेवा के निर्यात की आमदनी 164 मिलियन यूस डालर हो गयी थी।

Box 10.1: 2018 में भारत का मेडिकल वैल्यू ट्रवेल का निर्यात बाजार-

बांग्लादेश : 50%
ईराक : 9%

अफगानिस्तान : 7%

ओमान : 4%

अमेरिका : 3%

अन्य : 27%

पिछले दसक में भारत एक सबसे विश्वसनीय मेडिकल वैल्यू ट्रवेल का देश हो गया है। चिकित्सा सेवा क्षेत्र में गुण्वत्ता के लिहाज से महत्वपूण मानी जाने वाली खूबियों के लिहाज से इसने स्भी देशों को पीछे छोड दिया है। भारत मे चिकित्सा पर्यटन को उन्न्त बनाने वाले निम्न कारक हैं-

- भारत के अस्पतालों में काम करने वाले ज्यादातर डाक्टर्स पूरी तरह प्रशिक्षित और दुनिया के अग्रणी अस्पतालों(यूएस,योरोप और अन्य विकसित देश) में काम कर चुके होते हैं।
- जयादतर डाक्टर और नर्र्सेज प्रशिक्षित और विदेशी भाषा की जानकार होती हैं।
- भारत के अग्रणी अस्पतालों में विश्वसत्रीय गुणवत्ता के उपकरण उपलब्ध हैं।
- चिकित्सा की प्रक्रिया की कीमत, गुण्वत्ता की तुलना में दूसरे देशों से काफी कम है।
- भारत का औषधि बाजार बहुत मजबूत है।
- .भारत मे 1000 से अधिक नर्सिंग ट्रेनिग सेन्टर हैं जो मेडिकल कालेजों से सम्बद्ध हैं। करीब 10000 नर्सें हर साल यहां से प्रशिक्षण लेकर निकलती हैं।
- साधारण बजट के पर्यटकमरीजों को भी यहां प्रथम श्रेणी की सेवा और शानदार सुविधाये उपलब्ध कराई जाती हैं।

10.5.2 भारत में चिकित्सा यात्रा के दस्तावेज ।

बाहर से इलाज कराने आने वाले चिकित्सा पर्यटकों को देश मे प्रवेश देने की हर देश का अपना अपना कानून होता है। भारत में चिकित्सा के लिए वीसा का आवेदन करना होता है। इस बारे में आवश्यक जानकारी नीचे दी जा रही है।

मेडिकल विसा के लिए आवश्यक दस्तावेज-

कम से कम छ माह की वैधता का मूल पासपोर्ट जिसमे तीन ब्लैंक विसा पेज मौजूद हों।

- पासपोर्ट साइज का नया फोटोगाफ
- पासपोर्ट की फोटोकापी
- आनलाइन विसा आवेदन फार्म की कापी।
- भारत के विशेषीकृत अस्पतालों में इलाज पाने के लिए मरीज के अपने देश के डाक्टर द्वारा अनुमोदित पत्र।
- मरीज की मेडिक्ल हिस्ट्री। उपचार के दस्तावेज
- निवास स्थान के पता का प्रमाण
- परिचारक के पासपोर्ट की फोटो कापी।
- परिचारक का मरीज से सम्बन्ध का प्रमाण ।
- बैंक स्टेटमेंट

पात्रता और अन्य शर्ते

भारत के विशेषीकृत अस्पतालों में चिकित्सा के उद्देश्य से विसा जारी किया जाता है जिसे MED विसा भी कहा जाता है।कोई विदेशी यदि भारत की किसी अन्य चिकित्सा प्रणाली में चिकित्सा कराना चाहता है तो इसकी अनुमति दी जायेगी। हास्पीटल के अधिकारियों द्वारा जारी मेडिकल इनविटेश्न लैटर और एप्वाइंटमेंट लेटर आदि दानो अस्पतालों द्वारा पंजीकृत मेल पर आपस में साझा करना चाहिए। हास्पीटल अधिकारियों को को विदेशी नागरिकों को विसा के अवधि विस्तार और पंजीकरण के लिए पत्र

जारी करना चाहिए। ताकि वह **सम्बन्धित** FRRO/ FRO के यहां प्रस्तुत कर सके।

विसा की वैधता और उसका अवधि विस्तार

मेडिकल विसा(MED Visa) और मेडिकल अटेंडेंट विसा (MED X Visa) की वैधता उपचार की अवधि या अधिक से अधिक एक साल की हो सकती है। लेकिन भारत का विदेशों मे स्थित इंडियन मिशन पोस्ट डिफाल्ट विकल्प के तौर पर, 33 देशों को छोड दुनिया के सभी देशों के नागरिकों को 'ट्रिपिल इंटी' के साथ 6माह की वैधता का मेडिकल विसा मंजूर कर सकता है। ICMR(इंडियन कौंसिल आफ मेडिकल रिसर्च) MCI (मेडिकल कौंसिल आफ इंडिया)/ NABH(नेशनल एक्रेडिशन बोर्ड फार हास्पीटलस एण्ड हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स) / मान्यताप्राप्त हस्पताल द्वारा जारी चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत किये जाने पर सम्बन्धित FRRO/FRO मेडिकल विसा को अगले एक साल के लिए पुन: बढा सकता है।

इसके बाद केवल गृहमंत्रालय ही विसा की अवधि बढा सकता है । बंग्लादेश और पाकिस्तान के नागरिको के विसा की अवधि बढाने और प्रविष्टियो आदि के मामले विशेष प्रावधानों से शाशित होते हैं।

परिवार के सदस्यों/ परिचारकों को विसा -

मेडिकल अटेंडेट विसा (MED X visa) मरीज के साथ भारत आने वाले परिवार के सदस्यों और परिचारकेां को मंजूर किया जाता है। यह विसा मरीज की विसा अवधि के साथ समाप्त हो जाता है। प्रधान विसा के मेडिकल विसा के साथ ही समाप्त हो जाने वाला 'X-Misc.विसा उन छोटे बच्चो को दिया जाता है जिनके मां या बाप मेडिकल विसा पर उपचार के लिए भारत आये होते हैं।

पाकिस्तान और बांगलादेश को छोड बाहर से आये मरीजों के साथ अधिकतम दो लोगों को'MED X' विसा मंजूर किया जाता है। पाकिसतानी नागरिको को केवल

एक और बांगलादेशी नागरिको को तीन लोगोंं को साथ रख्ने की अनुमति होती है।

पंजीयन

विदेशी नागरिकों द्वारा प्राप्त, 180 दिन से अधिक अवधि का मेडिकल/ मेडिक्ल अटेंडेंट वीसा(पाकिसतनी नागरिकों के अलावा) भारत मे प्रवेश के 14 दिन के अंदर FRRO/FRO के यंहां पंजीकृत होना अनिवार्य है।

- 180 दिन या इससे कम अवधि का मेडिकल/ मेडिकल अटेंडेंट वीसा पंजीकृत कराने की आवश्यकता नहीं होती है।.
- पाकिस्तानी नागरिक का किसी भी अवधि का मेडिकल विसा भारत ाआने के सात दिन के भीतर सम्बनिघत FRRO/ FRO के यहां पंजीकृत होना अनिवार्य है।
- पाकिस्तानी नागरिक का किसी भी अवधि का मेडिकल विसा भारत आने के 24 घंटा के भीतर सम्बनिघत FRRO/ FRO के यहां पंजीकृत होना अनिवार्य है।

प्रगति की जांच करें
2

1) भारत में मेडिकल टूरिज्म पर एक टिप्पडी लिखें।

.....

.....

.....

.....

2) चिकित्सा हेतु भारत आने के लए मेडिकल विसा पालिसी पर एक टिप्पडी लिखें।

.....

.....

.....

.....

10.6 कल्याण कारी पर्यटन

स्वास्थ्य पर्यटन का बंनियादी उद्येश्य चिकित्सा और कल्याण आधारित गतिविधियें से लोगों के शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सही रखने में योगदान देना है। पिछले सेक्सन में आप लोगों ने चिकित्सा आधारित गतिविधियों,जिसे चिकित्सा पर्यटन कहते हैं, के बारे में विस्तार से जाना। आम तोर पर मन,शरीर और आत्मा के सव्स्थ् संतुलन,से हम अच्छा महसूस करते हैं। इसी को 'वेलनेस्' कहा जाता है। अत:, वेलनेस टूरिज्म को एक ऐसी यात्रा के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जिसमें एक सफल प्रक्रिया के बारे में जागरूक होना और एक अधिक सफल अस्तित्व का चुनाव करना शामिल है। दूसरे शब्दो मे 'वेलनेस' स्वास्थ्य के बारे मे एक दृष्टिकोण है जो मनुष्य के सम्पूर्ण अस्तित्व और प्रगतिशील विकास पर बल देता है। अपने आप को जानने और समझने की प्रबल चाहना के साथ यात्रा करना 'वेलनेस टूरिम का पार्ट है। वेलनेस टूरिज्म हमें रोजमर्रा की जीवन शैली से उत्पनन तनाव से दूर रहने और वैसी स्थितियों का मुकाबला करने का अवसर और मनोबल देता है। इसप्रकार हम कह सकते हैं कि यात्रा हमे हमारे स्वास्थ्य को सुधारने और बनाये रखने का अवसर देता है। जो मरीज तेज और सथायी स्वास्थ्य लाभ,शरीर का पुर्ननवीकरण चाहते हैं और जो सर्जरी के बाद स्वास्थ्य लाभ के रास्ते पर हैं,वे 'वेलनेस टूरिज्म' पर जाना पसंद करते हैं। बहुत से अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक हर साल हमारे देश में आयुर्वेदिक चिकित्सा के लिए भारत आते हैं।. कुछ पर्यटन स्थलों पर ध्यान और योगा और आध्यात्मिक उद्देश्यों से भी लोग आते हैं। जल्द ही ऐसी यात्राओं को भी 'वेलनेस टूरिज्म' में शामिल किया जा सकता है।

बडे शहरों से बहुत सारे लोग निम्न कारणों से 'वेलनेस टूरिज्म' पर जाते हैं।

- शहरी जीवन की आपाधापी और भीड भाड से दूर हो जाने के लिए ।
- कार्यालय के काम के दबाव से निजात महसूस करने के लिए।
- समग्र दृष्टिकोण मानसिक स्थिरता और आत्म-विकास के लिए ।
- आध्यात्मिक शांति,एकांत लाभ तीर्थ भ्रमण और योग साधना के द्वारा शांति लाभ के लिए।

10.6.1 भारत में 'वेलनेस टूरिज्म'

भारत सबके लिये निरामय मय जीवन की कामना करने वाला देश रहा है। निरामय जीवन इसकी परम्परा और विरासत की अनिवार्य खूबी रही है। देहिक ओर मानसिक स्वास्थ्य लाभ के लिए लोग यहां दूर देशों से आते रहे हैं। भारत का 'निरामय' उद्योग पर्यटन के क्षेत्र का विकासमान अंग है। भारत में विश्व पर्यटकों के लिए 'निरामय' गंतव्य बनने की बहुत सारी संभवनायें हैं। खास तौर से उन लोगों के लिए जो योगा ओर स्वास्थ्य लाभ की पारम्परिक पद्धतियोंजैसे-आयुर्वेद,सिद्धि और यूनानी से आकर्षित होकर भारत आना चाहते है। सौभाग्य से भारत मे मनोचिकित्सा,वैकल्पिक चिकित्सा और स्वास्थ्य रक्षण के सभी रूप प्रकार भारत में पाये जाते हैं। में मानसिक और दैहिक सुकून देने वाले योगा और स्पा आदि के बहुत सारे केन्द्र हैं। स्वास्थ्य लाभ के लिए आने वाले पर्यटकों के लिए केरला,गोवा,कर्नाटका,उत्तराखणड सबसे पसंदीदा जगहें हैं ।

सदियों पुरानी हमारी स्वास्थ्य प्रणाली हमारी उन्नत प्राचीन सभ्यता का प्रमाण है। हमारे नीति निर्माताओं ने अपनी सदियों पुरानी संसकृति और परम्परा का सार्थक उपयोग करना शुरू कर दिया है। आजकल भारत में आयुवेद,योग,सिद्ध,प्राकृतिक चिकित्सा,इत्यादि को आध्यात्मिक दर्शन से जोड कर एक जीवन पद्धति के तौर पर विश्व पटल पर प्रसिद्ध करने का प्रयास किया जा रहा है।

10.7 मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म पर भारत की नीति

किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए सरकार का हस्तक्षेप और सहयोग जरूरी है। मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म के क्षेत्र मे भी एक प्रभावी जनादेश होना जरूरी है। मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म मुख्यत: प्राइवेट सेक्टर द्वारा संचालित हो रहा है। लेकिन भारत सरकार भी जननीति के माध्यम से इस दिशा में सकारात्मक कदम उठा रही है। इस अवधारणा को पर्यटन बाजार में विज्ञापित करने में पर्यटन मंत्रालय फेसिलिटेटर की भूमिका निभा सकता है।पर्यटन मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय ने मिल कर ,भारत को स्वास्थ्य पर्यटन का केन्द्र बनाने के लिए एक टास्क् फोर्स का गठन किया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2002 ने भी मेडिकल टूरिज्म को बढावा देने का काम किया था। वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने 'मेडिकल वैल्यू ट्रवेल सर्विस' को 12 सर्वश्रेष्ठ सेक्टर के रूप में चिन्हित किया है। भारत सरकार ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और आयुष मंत्रालय को 'मेडिकल वैल्यू ट्रवेलसविस्' को चैम्पियन सर्विस सेक्टर स्कीम के अंतगत आगे बढाने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।. आयुष वास्तव में आयुर्वेद योगा यूनानी सिद्ध और होम्योपैथी का संयुकत् नाम है। सरकार की ओर से उठाये कदमों में से एक कदम यह है कि सरकार ने कामर्स एण्ड सर्विस एक्सपोर्ट प्रोमोशन कौंसिल के द्वारा *www.indiahealthcaretourism.com* ***नाम से एक पोर्टल शुरू किया है।*** यह एकल स्रोत प्लेटफार्म है जो मेडिकल यात्रियों को भारत के शीर्ष अस्पतालों से सम्बनिघत सभी आवश्यक सूचनायें प्रदान करता है। यह पोर्टल अंग्रेजी,अरबिक,रसियन,फेंच भाषाओं में सूचनाये उपलब्ध कराता है। मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म आज कल 'निच' पर्यटन उत्पाद के रूप में विज्ञापित किया जाता है । इसके तहत,भारत को मेडिक्ल पर्यटकों का पसंदीदा स्थल बनाने के लिए निम्न सुविधाओं की पेशकश की जाती है।

- चिकित्सा-पर्यटन और सवास्थ्य-लाभ-पर्यटन के प्रचार कार्यो, जैसे कि प्रदर्शनी/ वर्कशाप/समारोह/ सेमीनार आदि के लिए स्वास्थ्य-लाभ- पर्यटन / चिकित्सा-पर्यटन के क्षेत्र में सेवा दे रही मान्यता प्राप्त एजेंसियोंऔर

चैम्बर आफ कामर्स को विपणन-विकास-सहायोग के तोर पर वित्तीय सहायता देना।

- मेडिकल और मेडिक अटेंडेंट विसा जारी करके मेडिकल पर्यटन की प्रक्रिया को आसान बनाना। ई-टूरिस्ट विजा के दायरे को बढाकर उसमें मेडिकल विसा को भी शामिल कर लेना।
- कई सारे अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफामों पर 'स्वास्थ्य-लाभ-पर्यटन को बढावा देना।
- 169 देशों को ई-विसा देने की पेशकश करना (दिसम्बर 2019 तक)
- चिक्त्सिा पर्यटन को एक समर्पित ढांचे का स्वरूप देने के लिए एक राष्ट्रीय चिकित्सा-स्वास्थ्य-लाभ पर्यटन बोर्ड (National Medical & Wellness Tourism Board) की रचना करना ।
- बाजार-विकास-सहयोग (Market Development Assistance) के अंतर्गत अनुमोदित मेडिकल/ टूरिज्म मेलों/ मेडिकल कानफ्रेंसों / स्वास्थ्य -लाभ / कानफरेंसों / मेलों और इसके सहवर्ती रोड शोज के लिए राजकोशीय सहायता देना।
- मंजूर शुदा चिकित्सा पर्यटन सेवा प्रदाता एजेंसियों को MDA स्कीम के अंतर्गत वित्तीय सहयोग देना । .
- ई-मेडिकल/ ई-मेडिकल अटेंडेंट विसा को तिहरी प्रविष्टि की छूट और सम्बन्धित FRRO/ FRO (Foreigners Regional Registration Officer/ Foreigners Registration Officer) द्वारा केस की मेरिट को देखते हुए अगले छ महीनों का अवधि विस्तार देना।

  जहां तक 'स्वास्थ्य-लाभ-पर्यटन' का सवाल है, सेवा प्रदाताओं को प्रशिक्षण और क्षमता निर्माणतथा गुणवत्तपूण प्रचार सामगी उपलब्ध कराने से सम्बन्धित मामलों को हल करने तथा अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू 'स्वस्थ्य - लाभ से सम्बन्धित आयोजनों मे शामिल होने के लिए, नियम निर्देशिकायें पहले से उपलब्ध हैं।

स्वास्थ्य-लाभ-पर्यटन केन्द्रो पर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य-लाभ-पर्यटन केन्द्रो के गुणवत्ता मापन हेतु ''नेशनल बोर्ड फार एक्रेडिशन आफ

हास्पीटल्स एण्ड हेल्थ केयर सर्विसेज'' (NABH)द्वारा,आयुष मंत्रालय की सलाह से, दिशा निर्देश पहले ही बनाये जा चुके हैं।

अपनी प्रगति की जांच करें -3

1) मेट्रोपोलिटन शहरों के पर्यटक 'स्वास्थ्य -लाभ पर्यटन' पर जाना पसंद करते हैं। क्यों।

.....

.....

2) भारत को 'स्वास्थ्य -भाभ-पर्यटन केन्द्र ' बनाने की दिशा मे भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय नें क्या क्या प्रयास किये हैं।

.....

.....

10.8 समापन

वैश्वि परिदृश्य पर , ऐसा देखा जा रहा है कि हाल के वर्षो में स्वास्थ्य,चिकित्सा, और स्वास्थ्य-लाभ पर्यटन के क्षेत्र मे तेजी से विकास हो रहा है और कई पर्यटन गंतव्य तो अपनी इसी पहचान के लिए मशहूर हो रहे है। इस यूनिट में स्वास्थ्य,चिमित्सा और 'स्वास्थ्य -लाभ पर्यटन की बुनियादी धारणा को स्प्ष्ट किया गया है । स्वास्थ्य पर्यटन,पर्यटन का वह रूप है जो स्वास्थ्य कार्यक्रमों और गतिविधियों के जरिये पर्यटकों को ,शारीरिक ,मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाता है। चिकिसा हस्त्क्षेप का

ही दूसरा नाम 'चिकित्सा पर्यटन' है जबकि स्वास्थ्य -लाभ गतिविधियां 'स्वास्थ्य -लाभ पर्यटन ' की श्रेणी में गिनी जाती हैं।

चिकित्सा पर्यटन के दो रूप होते हैं- अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा पर्यटन और घरेलू चिकित्सा पर्यटन चिकित्सा पर्यटन के माध्यम से कई प्रकार की सेवायें प्राप्त की जा सकती हैं । उदाहरण के लिए,अंग प्रत्यारोपण,कास्मेटिक सर्जरी, दंत चिकित्सा आदि। चिकित्सा पर्यटन पर जाने और चिकित्सा सेवा लेने के लिए प्रेरित करने वाले कई कारको में से चिकित्सा खर्च, प्रतीक्षा अवधि चिकित्सा की गुणवत्ता और नयी संस्कृति और पर्यावरण को अनुभव करने का अवसर आदि। चिकित्सा सेवा प्रदाता ऐजेंसी संभावी चिकित्सा-पर्यटक तथा सर्जन,हास्पीटल और अन्य संस्थानों के बीच कडी का काम करता है। वैसे तो चिकित्सा-पर्यटन एक उन्नतशील उद्योग है,लेकिन, सर्जरी के बाद की जटिलतायें,भाषा न जानने की दिक्कते,दो संस्कृतियों समझदारी, मधुर संवाद की शैली , स्वास्थ्य परिचारकों का व्यवहार आदि से जुडी ढेर सारी समस्याये और चुनौतियां हैं जिसका सामना करना पडता है।

भारत दुनिया के शीर्ष् MVT(Medical Value Travel) देशों मे शुमार है। भारत चिकितसा की दृष्टि से मूलयवान देश है। इसने चिकित्सा सेवा के क्षेत्र मे कई एक कारणो से अपनी प्रतिष्ठा अर्जित की है 1 बाहरी देशों से चिकित्सा हेतु आने वाले मरीजों को देश में प्रवेश देने के मामले में हर देश के अपने नियम कायदे होते हैं। भारत में चिकित्सा हेतु आने के लिए आगंतुक को मेडिकल विसा के लिए आवेदन करना होता है।

जहांतक 'स्वासथ्य-लाभ-पर्यटन' का सम्बन्ध है, पर्यटन और मनोरंजन उद्योग का यह सबसे उदीयमान क्षेत्र है और हमारे देश में,स्वास्थ्य लाभ,खासकर योगा और व्याधि से बचाव की पारम्परिक वैकल्पिकचिकित्सा पद्धतियों,जैसे कि आयुर्वेद,यूनानी,सिद्ध,और होम्योपैथी आदि से प्रभावित होकर आने वाले विश्व पर्यटकों के लिए गंतव्य-केन्द्र् बनने की पूरी सम्भावना है।

चिकितसा और 'स्वास्थ्य-लाभ' पर्यटन आदि गतिविधियां आम तौर पर प्राइवेट एजेंसियों द्वारा संचालित होती है लेकिन सरकार भी अब नीतियां बनाकर इस क्षेत्र का विकास करने का प्रयास कर रही है।

10.9 कुंजी शबद

स्वास्थ्य की देख भाल (**Health care**) :: इसका संबंध लोगों में बीमारी, चोट, और अन्य शारीरिक और मानसिक दुर्बलताओं की रोकथाम, निदान, उपचार, वसूली, या इलाज के माध्यम से स्वास्थ्य के रखरखाव या सुधार से है।

यूनानी:: यूनानी चिकित्सा अरबिक या इसलामिक चिकित्सा भी है। दक्षिण एशिया में इस पद्धति से स्वास्थ्य सम्बनधी समस्याओं से बचाव और स्वास्थ्य में सुधार किया जाता है।

आयुर्वेद:: यह संसार की सबसे प्राचीन सम्पूर्ण कायिक चिकित्सा पद्धति है। 3000 साल पहले इसका विकास भारत में हुआ था। यह इस सिद्धांत पर आधारित है कि मनुष्य शरीर ,मन और आत्मा तीन घ्टकों के संतुलन से बना है।

होम्योपैथी चिकित्सा :: यह चिकित्सा पद्धति इस सिद्धांत पर आधारित है कि किसी तत्व को जितना अधिक उाइल्यूट किया जायेगा,उसमें औषधीय गुण उतना ही पबल होता जायेगा। वैकल्पिक चिकित्सा - चिकित्सा की मान्य पद्धतियों के स्थान पर किसी अन्य तरीके से जब उपचार किया जाता है तो उसे वैकल्पिक चिकित्सा कहते हैं। इसके अंदर विशेष खान पान , पोषक तत्वों की खुराक लेना, देशी जडी बूटियों का उपयोग,विशेष प्रकार का काढा,चुंबकीय चिकित्सा आदि आते हैं। उदाहरण के लिए कैंसर रोग में उपचार की जगह एक विशेष प्रकार के भोजन पर रहने की सलाह दी जाती है।

काया-कल्प चिकित्सा - किसी को पुन: युवा ताकत और जोश से भर देने की पद्धति ।

10.10 प्रगति अभ्यास की जांच करने के कुछ संकेत सूत्र

अपनी प्रगति की जांच करें

1) चिकित्सा पर्यटन की परिभाषा के लिए देखें सेक्सन 10.4 और चिकित्सा पर्यटन का प्रकार जानने के लिए उप सेक्सन 10.4.1,10.4.4 देखें ।

2) देखें उप सेक्सन 10.4.5

प्रगति की जांच करें - **2**

1) देखें उप सेक्सन . 10.5.1

2) देखें उप सेक्सन 10.5.2

प्रगति की जांच करें- **3**

1) उप सेक्सन 10.6

2) उप सेकसन 10.7